Today's Poem – 23.05-2014

याद का आधार है प्यार

बाबा को दिल से याद करो बारम्बार

प्यार में कमी है तो याद एकरस नहीं रह सकती

याद एकरस नहीं है तो बुद्धि भटकती

शरीर आत्मा के लिए सबसे प्यारी चीज़

शरीर में मोह नहीं रखना बनना है मोहजीत

शिवबाबा के हम वारिस हैं, वह हमारा वारिस है, इस निश्चय से बाप पर पूरा फ़िदा होना

कांटे से फूल अभी ही बनना

एकरस याद और सर्विस से बाप के प्यार का अधिकारी बनना है

दिन-प्रतिदिन याद में कदम आगे बढ़ाते रहना है

अनहोनी से कर दो होनी

यह है परमात्म प्यार की निशानी

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!